(2) Aims and Objectives of teaching art and Craft in Schools.

कला शिक्षण का उद्देश्य — बालकों की पैत्रक गुणवत्ता का क्षेत्र बड़ा व्यापक होता है। कुछ बालक मेधावी होते हैं, और कुछ अत्यधिक संवेदनशील, कुछ में शारीरिक लाघव होता है तो कुछ में प्रत्यक्षीकरण की अद्भुत क्षमता होती है। कोई भी बालक शून्य नहीं होता और न ही किसी बालक में समस्त गुण होते हैं। कलात्मक प्रतिभा का जन्म किसी भी आयुकाल में हो सकता है। इसलिए कला के अनुभव का अवसर प्रत्येक बालक को दिया जाना चाहिए, क्योंकि कला जीवन में एक शक्ति को प्रेरित करती है जो व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में सहायक है। कला शिक्षण के माध्यम से बालक के शारीरिक, मानसिक एवं संवेगात्मक विकास में सहायता मिलती है। अतः कला शिक्षण में निम्नलिखित उद्देश्यों की प्राप्ति होती है —